सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 199 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 26 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

छोटे-छोटे खर्चों से सावधान रहिये। एक छोटा सा छेद बड़े से जहाज को डूबा सकता है।
-बेंजामिन फ्रेंकलिन

यूपी टी20: काशी रुद्रास ने लगाया जीत... 7 | महापौर और पार्षदों के रिश्तों... 3 | भाजपा ने पिछड़े और दलित वर्ग... 2

ईडी की रेड से दिल्ली की सियासत हुई लाल

एक बार फिर विपक्ष के नेता निशाने पर

पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज पर कार्रवाई, भड़के केजरीवाल

» आप संयोजक बोले - आवाज दबाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानूसन की बारिश भले ही थम रही हो लेकिन ईडी के छापे की कार्रवाई की जद में कोई न कोई विपक्षी नेता आ ही जाता है। ताजा मामला एनसीआर रीजन में दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज से जुड़ा है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के 13 ठिकानों पर आज सुबह से ईडी की छापेमारी चल रही है। आप नेता के घर पर भी प्रवर्तन निदेशालय जांच कर रहा है।

जांच एजेंसी की यह कार्रवाई दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में सरकारी अस्पतालों के निर्माण से संबंधित हजारों करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले को लेकर की जा रही है। दिल्ली की एंटी करप्शन ब्रांच ने आम आदमी पार्टी के कार्यकाल के दौरान अस्पतालों से जुड़ी एक परियोजना में बड़े पैमाने पर पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज व सत्येंद्र जैन के खिलाफ जून में भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज किया था। जुलाई के महीने में प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में केस दर्ज किया।

आग बबूला हुए केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल छापेमारी से भड़क गये हैं और उन्होंने केन्द्र सरकार पर ईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार आवाज को दबाना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल एक्स पर लिखा है कि सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड सरकार की ओर से एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है। जिस तरह आप को टारगेट किया जा रहा है ऐसे इतिहास में किसी पार्टी को नहीं किया गया।

विपक्षी नेताओं ने छापेमारी की टाइमिंग पर उठाए सवाल

विपक्षी नेताओं ने ईडी की इस कार्रवाई की टाइमिंग पर सवाल उठाये हैं। कांग्रेस का कहना है कि पिछले 8 सालों में ईडी की ज्यादातर कार्रवाइयां विपक्षी दलों पर ही केंद्रित रही हैं। 95 फीसदी से ज्यादा छापेमारी गैर भाजपा नेताओं पर की गयी है। बीजेपी से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई नगण्य रही या फिर अदालत से राहत मिल गई। चुनावी साल आते ही ईडी की सक्रियता और बढ़ जाती है।

विपक्ष की ताकत से मोदी सरकार को लगता है डर : आतिशी

आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि यह सब राजनीति से प्रेरित है। मोदी सरकार को विपक्ष की ताकत से डर लगता है। जब-जब दिल्ली सरकार जनता के मुद्दे उठाती है तब-तब ईडी/सीबीआई हमारे दरवाजे पर भेज दी जाती है।

जानबूझकर की गयी देरी: विजेन्द्र गुप्ता

भाजपा नेता विजेन्द्र गुप्ता का आरोप है कि इन परियोजनाओं में जानबूझकर देरी की गयी ताकि भ्रष्टाचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि 94 पॉलिक्लिनिक की योजना 168 करोड़ में बनी थी लेकिन 220 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी सिर्फ 52 पॉलिक्लिनिक ही बन पाए। वित्तीय पारदर्शिता से बचने के लिए हेल्थ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम को भी जानबूझकर रोका गया और कम लागत वाले एनआईसी के ई-हॉस्पिटल जैसे विकल्पों को नजरअंदाज किया गया। मामले की जांच कर रही एंटी करप्शन ब्यूरो ने मई में खुलासा किया है कि परियोजनाओं की लागत बढ़ाई गई, उसमें जानबूझकर देरी की गई। साथ ही फंड का दुरुपयोग भी किया गया, जिससे सरकार को भारी नुकसान हुआ।

“ सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड सरकार की ओर से एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है। जिस तरह आप को टारगेट किया जा रहा है ऐसे इतिहास में किसी पार्टी को नहीं किया गया।

अरविंद केजरीवाल, दिल्ली पूर्व मुख्यमंत्री

‘समय पर पूरी नहीं हुई योजनाएं’

इस पूरे छापेमारी के पीछे दिल्ली विधानसभा के मौजूदा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की शिकायत है। उन्होंने गुप्ता शिकायत में कहा था कि सितंबर 2021 में 6 महीने में बनने वाले 7 आईसीयू अस्पताल 6,800 बेड, 1,125 करोड़ की लागत से मंजूर हुए थे, लेकिन उसमें जून 2025 तक केवल 50 फीसदी ही काम ही पूरा हुआ और खर्च 800 करोड़ तक पहुंच गया। इसके अलावा एलएनजेपी अस्पताल की नई इमारत की लागत भी 465 करोड़ से बढ़कर 1,125 करोड़ हो गई है। गुप्ता के मुताबिक वर्ष 2018-19 में कुल 5,590 करोड़ रुपये की लागत से 24 अस्पतालों के निर्माण जिसमें 11 नये और 13 पुराने अस्पतालों का विस्तार शामिल था की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी लेकिन यह परियोजनाएं तय समय तक पूरी नहीं हो पाई और उनकी लागत भी कई गुना बढ़ गई।

भाजपा ने पिछड़े और दलित वर्ग के छात्रों का हक छीना: अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- भाजपा सरकार ने आरक्षण के साथ किया खिलवाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े और दलित वर्ग के छात्रों का हक छीना गया। इन अभ्यर्थियों को तभी न्याय मिलेगा, जब पीडीए की सरकार आएगी। भाजपा सरकार ने आर्थिक भ्रष्टाचार के साथ आरक्षण में भी खिलवाड़ किया है।

सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई महीनों से खाद का संकट है। किसानों की जो आय थी उसकी लूट दोगुनी हो गई। बांदा और हमीरपुर में नदियों को खोद कर पहाड़ों से ऊंचे बालू के टीले लगाए गए थे। भाजपा ने सपा के नेताओं को बदनाम करने के लिए झूठे मुकदमे लगवाए थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार स्कूल बंद कर रही है, पर शराब की दुकानें बढ़ा रही है। भाजपा सरकार में हर क्षेत्र में माफिया पैदा हो रहे हैं। लोकसभा में लाए गए नए संविधान संशोधन विधेयक पर अखिलेश ने कहा कि दुनिया में जितनी तानाशाह सरकारें रही हैं, वे समय-समय पर ऐसे ही कानून बनाती रही हैं जिससे वे हमेशा सत्ता में बनी रहें, लेकिन कोई सरकार नहीं बची।

वहीं निष्कासित विधायक पूजा पाल की चिट्ठी को लेकर अखिलेश ने कहा कि चिट्ठी कौन लिखवा रहा है। डिप्टी सीएम या बंसल। इस अवसर पर अखिलेश ने अपील की कि सभी लोग एसपी टीवी को सबस्क्राइब करें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के लोग एस्ट्रोनॉमी (खगोलशास्त्र) पर भरोसा नहीं करते है, वे एस्ट्रोलॉजी (ज्योतिष शास्त्र) पर भरोसा करते हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का हनुमानजी को पहला अंतरिक्ष यात्री बताने पर अखिलेश ने कहा कि हमारे तो सभी भगवान अंतरिक्ष में रहते हैं।

शुभांशु शुक्ला ने देश का बढ़ाया सम्मान

अखिलेश ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि जब भी मौका मिलेगा हम शुभांशु से समय लेकर जरूर मिलेंगे। उनके अनुभव जानेंगे। उन्होंने बहुत बड़ा काम किया है। इस यात्रा ने पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है।

सपा ने सभी जिला और विधानसभा प्रभारियों को किया कार्यमुक्त

सपा ने प्रदेश के सभी जिला व विधानसभा क्षेत्र के नामित प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है। यह निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर लिया गया है। माना जा रहा है कि पंचायत चुनाव से पहले संगठन को नई धार देने के लिए यह फैसला किया गया है।

दिग्विजय चौटाला हरियाणा की राखी सावंत: अर्जुन

» अपने चचेरे भाई पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसा। रोहतक में 25 सितंबर को होने वाली पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती के लिए रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला गांव-गांव जाकर निमंत्रण दे रहे हैं। इसी क्रम में वह गांव मंगालिया पहुंचे थे। वहां उनसे सवाल किया गया कि दिग्विजय चौटाला कहते हैं कि आप उनका फोन नहीं उठाते हैं तो अर्जुन चौटाला ने कटाक्ष करते हुए कहा कि दिग्विजय हरियाणा की राखी सावंत है, वह कुछ भी कह सकता है।

मैं हलके के लोगों के कार्य के लिए हर समय तैयार रहता हूं। उसका फोन तो मैं उठाऊंगा नहीं, चाहे वह 40 बार फोन कर ले। बाकी किसी भी व्यक्ति को कोई काम हो तो कोई मनाही नहीं है। वह क्या कहता है, इस बात से मुझ पर कोई फर्क नहीं पड़ता। विधायक का यह बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विधायक अर्जुन चौटाला ने रानियां में युवाओं की नशे से मौत पर कहा था कि प्रशासन को सब पता है कि नशा तस्कर कौन है। नशा कहां से आता है और कितना आता है। परंतु यह प्रशासन की नाकामी के साथ साथ प्रशासन की शह है कि नशा तस्कर खुलेआम गांव-गांव जा कर नशा बेच रहा है और लोग मर रहे हैं। एसपी ऐसे अपराधियों को पकड़ने के बजाय गाड़ियों के चालान काटने में व्यस्त हैं।

भ्रष्ट नेताओं को पार्टी में लेने वाले भी दें इस्तीफा: अरविंद केजरीवाल

» शाह पर करारा हमला आज आप सरकार को याद कर रहे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। शाह ने हाल ही में कहा था कि जिन नेताओं पर गंभीर अपराधों के मामले चल रहे हों और जो 30 दिन से ज्यादा जेल में रहें, उन्हें पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

शाह के बयान पर पलटवार करते हुए केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि अगर कोई नेता गंभीर अपराधों के दोषी लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करता है, उनके केस खत्म कराता है और उन्हें मंत्री, डिप्टी सीएम या सीएम बनाता है, तो क्या ऐसे नेता को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए? उन्होंने पूछा कि ऐसे नेताओं को कितने साल की सजा होनी चाहिए? केजरीवाल ने आगे सवाल किया कि अगर किसी को झूठे केस में जेल भेजा जाता है और बाद में वह निर्दोष साबित होता है, तो झूठा केस बनाने वाले मंत्री को कितने साल की सजा मिलनी चाहिए? केजरीवाल ने अपने एक और पोस्ट में कहा कि जब केंद्र सरकार ने राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें झूठे केस में फंसाकर जेल भेजा, तब उन्होंने 160 दिन तक जेल से ही दिल्ली की सरकार चलाई।

उन्होंने कहा कि बीते सात महीनों में बीजेपी सरकार की वजह से दिल्ली की हालत खराब हो गई है। लोग अब उस सरकार को याद कर रहे हैं, जो जेल से चल रही थी। उस समय न बिजली कटती थी, न पानी की कमी थी, अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में मुफ्त दवाइयां और टेस्ट मिलते थे। बारिश से शहर में अफरातफरी नहीं मचती थी और प्राइवेट स्कूल मनमानी नहीं करते थे।

संविधान विरोधी हैं भाजपा सांसद: पटवारी

अशोक शर्मा ने कहा था- भोपाल मुसलमानों का नहीं, सम्राट अशोक का

» पीसीसी चीफ ने कहा- सांसद की बुद्धि पर मुझे तरस आता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने एक कार्यक्रम में कहा कि ये भोपाल मुसलमानों का भोपाल नहीं है। ये भोपाल सम्राट अशोक का है। प्रतिहार वंश, चंद्रगुप्त मौर्य, राजा भोज परमार वंश का भोपाल है। यह भोपाल रानी कमलापति का है। आएं और हम सब लोग मिलकर सनातन संस्कृति की रक्षा करते रहें। इस पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने पलटवार किया है।

उन्होने कहा है कि आलोक शर्मा की बुद्धि पर मुझे तरस आता है। ये भोपाल मप्र का है, देश का है। एक-एक नागरिक का है, ये सांसद बने हैं या केवल बयानबाज बने हैं। यह कहना कि ये इसका नहीं, वो उसका नहीं हैं। तब ही तो हम कहते हैं कि आप संविधान विरोधी हो, अंबेडकर विरोधी, दलित विरोधी और देश विरोधी हो। सांसद आलोक भोपाल के करोंद में एक मटकी फो? कार्यक्रम में पहुंचे थे। इसे भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने आयोजित किया था। मंच से लोगों को संबोधित करने के दौरान उन्होंने ये बात कही। कार्यक्रम में आलोक शर्मा ने शारिक मछली से लेकर प्यारे मियां तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लव जिहाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर मंत्री विश्वास सारंग ने आलोक शर्मा के बयान का समर्थन किया है। विश्वास सारंग ने कहा कि हम कब से कहते आ रहे हैं कि नवाबों और मुगलों ने भोपाल पर कब्जा किया था। मुगलों और नवाबों का यहां पर कोई हक नहीं रहा। यह शहर नवाबों का नहीं बल्कि राजा भोज और रानी कमलापति का है।

'जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की जंग जारी'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार बने हुए 10 महीने से अधिक हो चुके हैं और राज्यहित में यह मुद्दा शुरुआत से ही प्राथमिकता में रहा है।

हमारी सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही राज्य का दर्जा वापस दिलाने को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रधानमंत्री के साथ हुई पहली बैठक में भी मैंने यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर सुनवाई की उम्मीद थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने 10 अक्तूबर से पहले मामले पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। सीएम उमर ने कहा, हमें उम्मीद है कि अगर केंद्र सरकार इस पर कोई फैसला नहीं लेती है तो सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय जरूर देगा। सरकार और जनता दोनों की निगाहें अब आने वाली सुनवाई और केंद्र सरकार के रुख पर टिकी हुई हैं।

शहर की सरकार में रार

महापौर और पार्षदों के रिश्तों में दरार

» अंदर की खींचतान आई सामने

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल के कार्यकाल को पूरे हुए दो वर्ष बीत चुके हैं। शुरुआत में महापौर के साथ कई पार्षद कदम से कदम मिलाकर चलते नज़र आए, लेकिन वक्त बीतने के साथ यह समीकरण बदल गए। महापौर के कार्यालय से लेकर कैंप कार्यालय तक जो पार्षद हरदम साथ देखे जाते थे, वही अब विरोध की राह पर दिखाई देने लगे।

गौरतलब है कि डॉ. अरविंद कुमार राव की देखरेख में शिवरी प्लांट पर लाखों टन कूड़े के पहाड़ को खत्म किया गया,

जिसकी चर्चा देशभर में हुई। यहां तक कि विदेशों से भी प्रतिनिधि यह जानने पहुंचे कि लखनऊ नगर निगम ने कूड़ा निस्तारण का मॉडल कैसे विकसित किया। ऐसे अधिकारी पर आरोप लगाना उनकी मेहनत पर पानी फेरने जैसा माना गया।

करीबी माने जाने वाले पार्षद भी दूरी बनाने लगे

अंदरखाने की बात यह बताई जा रही है कि एक रात ऐसे हालात बने कि महापौर के सबसे करीबी माने जाने वाले पार्षद भी दूरी बनाने लगे। यहां तक कि पार्षद मुकेश सिंह मोंटी, जिन्हें लोग मज़ाक-मज़ाक में महापौर का दत्तक पुत्र तक कहने लगे थे, अब उन्हीं की नाराज़गी का शिकार बन गए। वहीं, कुछ पार्षद ऐसे भी रहे जिन्होंने आए दिन महापौर को अपने हाथों से बने पकवानों का स्वाद चखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन अचानक हालात बदले और एक गुट ने महापौर से दूरी बना ली।

दिल्ली दरबार तक पार्षदों ने अपनी पीड़ा सुनाई

बताया जाता है कि मामला इतना बढ़ा कि महानगर अध्यक्ष से लेकर दिल्ली दरबार तक पार्षदों ने अपनी पीड़ा सुनाई, लेकिन महापौर ने किसी की एक न सुनी। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के भीतर ही कुछ पार्षदों ने अलग राह पकड़ ली। इसी कड़ी में हाल ही में पार्षद रंजीत सिंह का विवाद भी सुर्खियों में रहा। उन्होंने शिवरी प्लांट को लेकर अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव पर टिप्पणी कर दी। महापौर ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया और रातों-रात पार्षद रंजीत सिंह को माफी मांगनी पड़ी। अब सवाल यह है कि महापौर और पार्षदों के बीच बनी यह दूरी आने वाले समय में और कितनी गहराएगी, या फिर आपसी मतभेद खत्म कर एक बार फिर सब साथ आएंगे।

यात्रा सुधारेंगे सियासी दलों का जत्रा!

» बिहार में यात्रा पॉलिटिक्स का जोर

» राहुल के बाद तेजस्वी का संदेश रथ

» मोदी व नीतीश की भी तैयारी, देखना होगा किसका पलड़ा भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति में यात्रा या रोड शो अब आम हो गए हैं। खास तौर जब चुनावी बेला करीब आती है तो सत्तापक्ष हो या विपक्ष दोनों यात्रा निकाल कर जनता में अपनी बात रखते हैं साथ ही उनमें अपनी पैठ बनाकर उस पैठ को वोट में बदलवाने की जुगत करते हैं। पीएम मोदी या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी या अन्य कोई नेता सब यात्राओं के सहारे अपा जनाधार बढ़ाना चाहते हैं। इन दिनों बिहार में कांग्रेस व राजद वोटर अधिकार यात्रा निकाल रही है।

इसमें भारी भीड़ उमड़ रही है। उधर पीएम भी कई रैलियां कर रहे हैं। अब आने वाले चुनाव के नजीते बताएंगे कि इन यात्राओं ने इसका सियासी जत्रा बनाया। यात्राओं का लंबा इतिहास रहा है और इसका बड़ा असर भी देखा गया है। राष्ट्रीय स्तर पर बात करें तो कांग्रेस के दावों के मुताबिक, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस को 6 राज्यों में 30 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। अब उन्हीं राहुल गांधी ने बिहार में एसआईआर को चुनावी हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया और वोटर अधिकार यात्रा निकाली है। ये यात्रा मगध और अंग के बाद अब सीमांचल में है। जानकार मानते हैं कि लोगों को अपने पक्ष में करने और अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए इन यात्राओं का अच्छा-खासा असर होता है। फिलहाल इन यात्राओं के जरिये पार्टियां अपने जमीन मजबूत करने में जुटी है। देखना दिलचस्प होगा कि 2025 बिहार विधानसभा में किस यात्रा का कितना असर होता है।

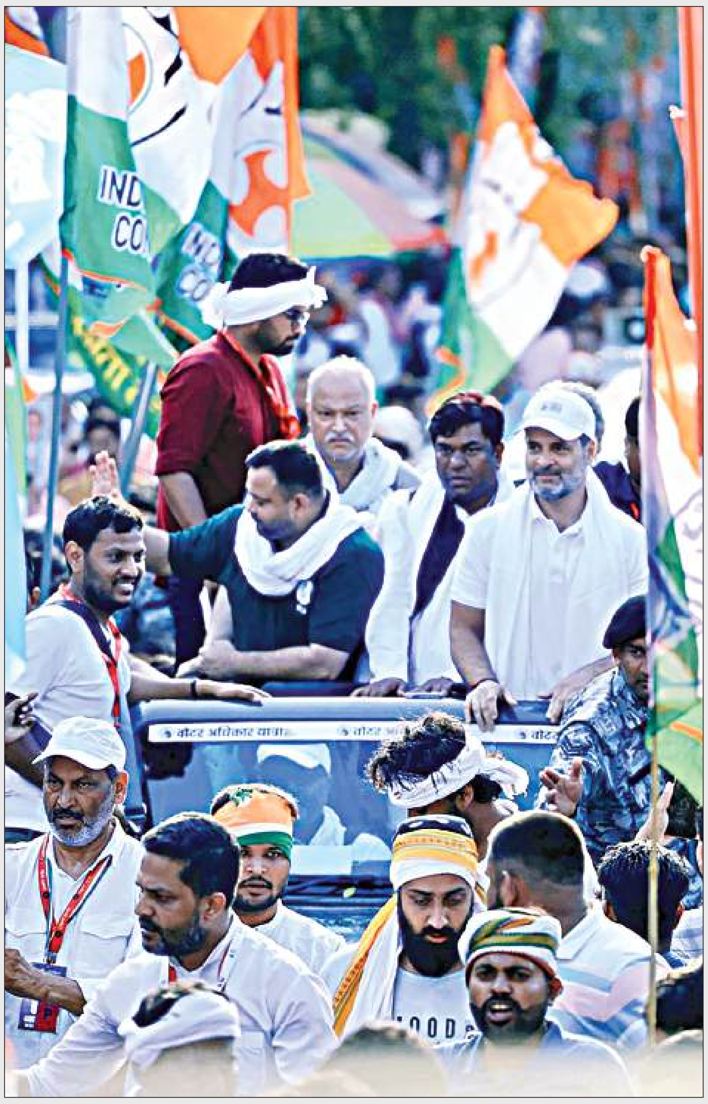

राजद नेता का संदेश रथ

तेजस्वी की अनुपस्थिति में ही लालू प्रसाद यादव ने तेजस्वी संदेश रथ रवाना कर दिया है। उन्होंने कहा, ये गांव-गांव जाकर राजद की नीतियों का प्रचार करेगा। खास तौर से महागठबंधन सरकार में 17 महीने के फैसलों और विकास कार्यों के बारे में बताएगा। ये भी अपील की जाएगी कि एक बार फिर महागठबंधन की सरकार बनाएं, सभी के साथ न्याय होगा, उनके हक और अधिकार में काम किए जाएंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जो घोषणाएं की थी, उनमें से कई को सीएम नीतीश ने जल्दबाजी में लागू किया है अब तेजस्वी संदेश रथ जिले-जिले घूमकर तेजस्वी का विजन बताएगा।

राहुल व तेजस्वी की अपनी-अपनी यात्रा

इस यात्रा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी (लोकसभा) के साथ, नेता विपक्ष तेजस्वी यादव (बिहार विधानसभा) भी साथ हैं वहीं दूसरी ओर पटना में राजद ने तेजस्वी रथ संदेश को रवाना किया। ।बड़ी आवास, 10 सर्कुलर रोड से लालू यादव ने इस रथ को हरी झंडी दिखाई, जिसके जरिये पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

सीएम नीतीश का मास्टर प्लान

नीतीश कुमार ने हरियाणा से जो रथ बनवाकर मंगवाया है, उससे वो चुनाव प्रचार करेंगे। वहीं लोगों से संवाद अलग-अलग 100 टीमें तैयार की गई हैं। युवाओं के साथ संवाद के लिए 21 टीमें, जबकि महिलाओं से संवाद के लिए महिला जदयू की 40 टीमें और अति पिछड़ा वर्ग से संवाद के लिए भी कई टीमें बनाई गई हैं। साल 2005 में सरकार बनाने के बाद से नीतीश कुमार कई यात्राएं निकाल चुके हैं, जिनके तहत जिलों में रैलियां और जनता से संवाद कार्यक्रम हुए। इनमें कुछ यात्राएं चुनावी थीं तो कुछ प्रशासनिक यात्राएं थीं. हालांकि दोनों के उद्देश्य एक जैसे थे। नीतीश कुमार की ये यात्राएं मात्र चुनावी रैलियों से बढ़कर थीं, इनमें जनता से सीधा संवाद, विकास कार्यों की समीक्षा, और योजनाओं का मूल्यांकन होता रहा। मगध से लेकर मिथिला तक और अंग से लेकर सीमांचल तक, कई बार ये यात्राएं व्यापक पैमाने पर हुईं. ये यात्राएं उनके सत्ता में टिके रहने के साथ-साथ विकास एजेंडे को भी आगे बढ़ाने में मददगार रहीं।

नीतीश कुमार का निश्चय रथ भी चर्चा में

कुछ दिनों से सीएम नीतीश कुमार का निश्चय रथ भी चर्चा में है, जो हरियाणा से बनकर आया है। बताया गया है कि इसी रथ से नीतीश चुनाव प्रचार करेंगे। जदयू ने प्रचार-प्रसार के लिए 100 टीमों को भी मैदान में उतारा है। टीम के सदस्य अलग-अलग वर्ग से फीडबैक लेंगे और वोट बैंक बढ़ाने की कोशिश करेंगे। पीछे झांककर देखें तो नीतीश 2005 में पहली बार सरकार बनाने के बाद से कई यात्राएं निकाल चुके हैं।

पूरे देश में होगी नेता प्रतिपक्ष की वोट अधिकार यात्रा

नेता प्रतिपक्ष की वोट अधिकार यात्रा अब बिहार से बाहर निकल पूरे देश में फैल चुकी है। अब यह यात्रा भाजपा सरकार व चुनाव आयोग के गले की फांस तो बनेगी ही साथ विपक्ष के लिए एक हथियार भी बनेगी। इसके माध्यम से विपक्षी नेता भाजपा को पोल खोलेंगे और जनता के सामने अपनी बात दमदार तरीके से रखेंगे। अब इस यात्रा को और मजबूती देने के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता भी इसमें शामिल होने जा रहे हैं। इसकी जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि मतदाता अधिकार यात्रा ने लोगों को जगा दिया है और मौजूदा सरकार जनादेश से नहीं, बल्कि चोरी से बनी है। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि आने वाले दिनों में कई बड़े राजनीतिक चेहरे इस यात्रा में भाग लेंगे और जनता को लोकतंत्र और मतदाता अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर अधिकार यात्रा वोट चोरी के खिलाफ एक ऐतिहासिक आंदोलन बन गई है जो न सिर्फ बिहार, बल्कि पूरे भारत के लोगों को आकर्षित कर रही है, आने वाले सप्ताह में इंडिया और कांग्रेस के प्रमुख नेता इस यात्रा में शामिल होंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार भी जरूरी

> एमपैथी यानी व्यक्ति की भावनाओं को उसके परिप्रेक्ष्य में समझने की क्षमता चिकित्सा पेशे में सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल है। एमपैथी, चिकित्सा पेशेवरों को रोगियों के साथ गहरे स्तर पर जुड़ने, उनकी समस्याओं को सुनने और उपचार प्रक्रिया के दौरान सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

धरती पर चिकित्सक को भगवान के समान दर्जा है। वह गंभीर से गंभीर बीमार व्यक्ति को अपने चिकित्सकीय ज्ञान से ठीक कर देता है। पर आज के दौर में केवल उस ज्ञान की तो जरूरत है ही साथ मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार की भी अवाश्यकता है। ऐसा माना जाता है कि मरीज की आधी बीमारी तो डॉक्टर के दोस्ताना व्यवहार से ही खत्म हो जाती है। उसमें प्रभावी उपचार प्रदान करने के लिए न केवल आवश्यक विषय और तकनीकी कौशल के बारे में ज्ञान होना महत्वपूर्ण है, बल्कि मरीजों और सहकर्मियों के साथ पारस्परिक सहयोग, सकारात्मक संवाद, टीम वर्क, सहानुभूति एवं परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना इत्यादि जैसे सॉफ्ट स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल होना भी उतना ही जरूरी है। सॉफ्ट स्किल्स को मोटे तौर पर किसी भी व्यक्ति में व्यक्तिगत विशेषताओं, आदतों, दृष्टिकोणों और सामाजिक शिष्टता के संग्रह के रूप में समझा जा सकता है, जो उसे स्वयं तथा दूसरों के साथ एक सकारात्मक एवं प्रभावशाली तरीके से काम करने में अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं। एमपैथी यानी व्यक्ति की भावनाओं को उसके परिप्रेक्ष्य में समझने की क्षमता चिकित्सा पेशे में सबसे महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल है। एमपैथी, चिकित्सा पेशेवरों को रोगियों के साथ गहरे स्तर पर जुड़ने, उनकी समस्याओं को सुनने और उपचार प्रक्रिया के दौरान सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

प्रभावशाली संवाद यानी कम्युनिकेशन स्किल, चिकित्सा पेशेवरों के लिए आवश्यक है। प्रभावी संवाद में न केवल मरीजों की स्थानीय भाषा में स्पष्ट एवं विनम्र रूप से बोलना शामिल है, बल्कि सक्रिय रूप से और ध्यानपूर्वक उन्हें सुनना भी शामिल है। सार्थक संवाद के जरिए सहकर्मियों के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। चिकित्सा पेशे में टीम वर्क भी जरूरी है। मरीजों को सम्पूर्ण एवं व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों को एक टीम के रूप में प्रभावी ढंग से काम करना आना चाहिए। टीम में कई विषयों के विशेषज्ञों के साथ-साथ अन्य चिकित्सा कर्मी भी शामिल होते हैं। ऐसे में इन सभी नॉलेज एवं अनुभव का इस्तेमाल करने का मौका मिलता है, जिससे एक समन्वय के साथ सार्थक एवं प्रभावी परिणाम मरीज के उपचार में निश्चित तौर पर सामने आते हैं। साथ ही चिकित्सा पेशेवरों का स्ट्रेस भी कम होता है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।चिकित्सा पेशे में अन्य महत्वपूर्ण सॉफ्ट स्किल्स में परिस्थितियों के साथ सामंजस्य और प्रॉब्लम सॉल्विंग इत्यादि शामिल हैं। चिकित्सा पेशेवरों को बदलती परिस्थितियों और रोगी की बदलती जरूरतों के अनुकूल होने में सक्षम होना चाहिए।इस प्रकार चिकित्सा पेशे में सफलता के लिए सॉफ्ट स्किल्स उतने ही आवश्यक माने जा सकते हैं जितने कि विषय और तकनीकी कौशल का ज्ञान। सॉफ्ट स्किल्स चिकित्सा पेशेवरों को अपने रोगियों को प्रभावी उपचार और देखभाल प्रदान करने में सक्षम बनाती हैं। इन स्किल्स को विकसित कर चिकित्सा पेशेवर न केवल प्रभावशाली इलाज दे सकते हैं बल्कि अलग पहचान भी बना सकते हैं। इलाज से परे ये पारस्परिक और सामाजिक संबंधों में प्रगाढ़ता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मौजूदा दौर में भारत-चीन संबंधों की तार्किकता

ज्योति मल्होत्रा

नाश्ता दिल्ली में, दोपहर का भोजन लाहौर में और रात का खाना काबुल में, क्या कोई कर सकता है? दक्षिण एशिया के लोगों के बीच सीमाओं को मिटाने का पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिया बहुचर्चित नारा आज भी जीवंत और सटीक है -फर्क केवल इतना है कि इस पर अमल चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं। गत हफ्ते की शुरुआत में यही हुआ। जब भारत बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बने विवाद और विपक्षी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोटों की चोरी' के आरोपों में उलझा पड़ा था, उस बीच चीनी नेता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता के एक और दौर के लिए दिल्ली आए। वांग ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने के अंत में चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया- जिसको प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया।

इसके बाद वांग यी तालिबान से मिलने और अपने पाकिस्तानी एवं अफगान समकक्षों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंचे। वहां से वे अपने 'आजमाया हुआ लौह बंधु' के साथ चीन की सामरिक साझेदारी का वचन दोहराने इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान पहुंचे। एक ही दिन में तीन देश-मानो मनमोहन सिंह की कही पर अमल कर रहे हों, फिर क्या हुआ अगर कुछ गंतव्य स्थल अलग रहे। वांग यी की यात्रा ने पाकिस्तान के गृह मंत्री को यह कहने का मौका दिया कि उनके देश के पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के वीडियो फुटेज हैं। क्या यह पाकिस्तानियों का सरासर झूठ है? लाजिमी है भारतीयों को यही उम्मीद है। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हमें बताया है कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पांच पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराया है। हालांकि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पहले ही स्वीकार चुके हैं कि टकराव में भारत को भी कुछ हवाई सैन्य नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने जहाज।

तीन महीने से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस विषय पर चुप्पी है। वस्तु स्थिति जानना निश्चित रूप से अच्छा होगा। चलिए, फिर से वांग यी की दक्षिण एशियाई कूटनीति पर लौटते हैं। काबुल में, उन्होंने तालिबान को पूरी

तरह स्पष्ट कर दिया कि अफगानिस्तान अगर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बंद नहीं करता है, तो चीन निवेश नहीं करेगा। इस्लामाबाद पहुंचने पर, जहां उनके स्वागत को लाल कालीन बिछाया गया, उन्होंने 'आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के अथक प्रयासों की सराहना की'। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, चीनी वायुसेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ पाकिस्तानी वायुसेना की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का 'आदर्श उदाहरण' बताया था। यहां कोई गलती न रहे, कि चीन-पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनजर, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराजगी इससे है। इसी वजह से वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और भारतीय कंपनियों पर रूसी तेल की खरीद से 'मुनाफाखोरी' करने का आरोप जड़ा है। आसमान गहराता देख विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस गए, जहां रूस ने भारत को दिए जाने वाले तेल की कीमतों में और कटौती का प्रस्ताव दिया है वहीं अच्छी खबर यह है कि भारत सरकार के दिल में पुनर्संतुलन की स्थिति बन रही है। एक लंबे अर्से तक, पिछले एक दशक से ज्यादा, भारत द्वारा अमेरिका की तरफ बनता झुकाव इसके अन्य गंभीर रिश्तों की कीमत पर रहा।

ऐसा आरोप कोई नई बात नहीं है भारत का कुलीन वर्ग लंबे समय से न्यूयॉर्क और वाशिंगटन के बेहतरीन रेस्तरां में खाने-पीने का लुत्फ लेता आया है और उसके बच्चे आइवी लीग विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं; मोदी के कार्यकाल में भी यह स्थिति शायद ही अलग रही हो। अमेरिका में भारत की असाधारण रुचि ने अन्य देशों के साथ रिश्तों को अमेरिकी चश्मे से देखने वाला रवैया बनाया। किंतु प्रकाश की गति से चलने वाली दुनिया में, जहां सबसे ज्यादा गर्मजोशी भरे रिश्ते भी दिन ढलते-ढलते ठंडे पड़ जाते हैं, वह तरीका राष्ट्रीय हित के लिए प्रतिकूल बनता जा रहा था। यहां कोई गलती न रहे कि महत्वपूर्ण विदेश नीतिगत संबंधों में अमेरिका भारत के लिए अभी भी सबसे अहम बना हुआ है।

वर्षा ऋतु के जीवनदायी जादू को महसूस कीजिए

वर्षा ऋतु के इन महीनों में सहज उपलब्ध व्यापक ऊर्जा का, अपने भीतर की जीवन ऊर्जा से, हम यदि सही-सही समन्वय बिठाना सीख लें, तो न सिर्फ शारीरिक स्तर के आयाम, अपितु मानसिक और आध्यात्मिक आयामों का भी संवर्धन संभव है।

संदीप खमेसरा

मनुष्य भौतिक लिप्साओं और आपाधापी की जिंदगी में प्रकृति में हो रहे सूक्ष्म परिवर्तनों को महसूस नहीं करता। साथ ही बदलते मौसम चक्र के हमारे शरीर में पड़ने वाले प्रभावों और बदलावों को भी हम अनदेखा करते हैं। दरअसल, हमारे जीवन में कृत्रिमता के गहरे हस्तक्षेप ने हमें प्रकृति के सुखमय प्रभाव के अहसास से वंचित कर दिया है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर हम अहसास ही नहीं करते कि प्रकृति कैसे रूप-रंग बदल रही है। अब यदि हम वर्षा ऋतु को ही देखें तो यह हमारे परिवेश ही नहीं हमारे शरीर में भी बदलाव करती है। कभी आपने बारिश के इस मौसम में अपनी एड़ी, तलवे या त्वचा की चमक को महसूस किया है! गर्मी और सर्दी में बहुत हद तक फट चुकी एड़ियां तथा शुष्क हो गई त्वचा, इस मौसम में पुन: खिल जाती है। यह, वह समय होता है जब 'जीवन' तेजी से अभिव्यक्त हो रहा होता है। विडंबना यह है कि हम इस बदलाव की अनदेखी करके इस सुख से वंचित हो जाते हैं। यह मौसम, जीवन को स्फूर्णा देता है।

जंगल, जमीन और प्रकृति में नवजीवन का संचार होता दिखाई देता है। इन महीनों के वातावरण में जीवनदाई शक्ति अपने चरमोत्कर्ष में उपलब्ध होती है। हवा की नमी, धूप-छांव का समन्वय, ऊर्जाओं की व्यापकता आदि तमाम जीवनदाई घटक, सहजता से क्रियान्वित हो जाते हैं। इस कालखंड में, प्रकृति में बह रहा जीवन सक्रिय होकर प्रचुरता से अपनी ताकत का प्रदर्शन करता है। यह मौसम हमारे भीतर बह रही जीवनीशक्ति को संजोने और उसे रिचार्ज करने का है। प्रकृति और इस वातावरण को जी भर कर पीने से यह कार्य आसानी से संभव हो जाता है। इस वक्त प्रचुरता में सुलभ जीवनदाई ऊर्जा का उपयोग करके, शरीर अपने भीतर के ह्रास की मरम्मत स्वत: कर लेता है। सुबह-सुबह, बादलों से आच्छादित आकाश के नीचे मैट बिछाकर लेट जाइए। आधे घंटे जी भर कर सांस लीजिए। लंबी सांस! लीजिए, कुछ रोकिए और छोड़िए। वातावरण की नमी को पीजिए।

सांस के साथ उस नमी को भीतर महसूस कीजिए। रीढ़ की हड्डी में आती-जाती सांस का अनुभव कीजिए। उस गहरी सांस के साथ रीढ़ की हड्डी के फूलने और सिकुड़ने पर कुछ केंद्रित हो जाइए। शरीर को जितना हो सके स्ट्रेच कीजिए। आकाश को छूने के लिए स्वयं को फैलाइए। हड्डियों पर थोड़ा जोर डालिए। उन केंद्रों पर ध्यान लगाइए, जहां अक्सर दर्द रहता है। मसलन, घुटने, कमर आदि। इस मौसम में किया गया यह प्रयोग जीवन को निश्चित रूप से स्फूर्णा देगा। बस, विचारों के मध्य यांत्रिक रूप से नहीं करना है। करने में केंद्रित होना है। निस्संदेह, इन महीनों में सहज उपलब्ध व्यापक ऊर्जा का, अपने भीतर की जीवन ऊर्जा से, मनुष्य यदि सही सही समन्वय बिठाना सीख ले, तो न सिर्फ शारीरिक स्तर के आयाम, अपितु मानसिक और आध्यात्मिक आयामों का भी संवर्धन संभव है।

इस संवर्धन से प्राण शक्ति के घनत्व का ऐसा पुनर्भरण हो सकता है, जो न सिर्फ शरीर में व्याप्त गंभीर रोगों की संभावना को क्षीण करने की क्षमता प्रदान कर सकता है, बल्कि जीवन चलाने वाले मुख्य अंगों का लंबे समय तक ह्रास होने से रोक सकता है। इस विधा से व्यक्ति अपने भीतर की कार्यप्रणाली को इतना दुरुस्त रख सकता है कि वह लंबे समय तक रोगमुक्त, शक्ति संपन्न और दीर्घायु को प्राप्त हो सकता है। इन तकनीकों के जानकार, कई ऋषि-मुनियों के किस्से प्रचलित हैं, जो दो-पांच सौ वर्षों तक युवावान रहते थे। जीवन में सफलता की एक ही तकनीक है। समन्वय की तकनीक। और, इसका रास्ता बाहर नहीं, भीतर ही है। जिसे हम महसूस करने का प्रयास ही नहीं करते। पहले स्वयं से योग स्थापित करके अपने शरीर के भीतर की हलचल को जानना होगा। जानना होगा उन स्पंदनों और संवेगों को जिनके इशारों पर ध्यान देना, कभी हमारी प्राथमिकता में रहा ही नहीं! एक बार स्वयं से स्वयं का यह संबंध स्थापित हो जाए तो होश जागेगा।

यदि हम होशपूर्ण होंगे, तब बाहर के उन आयामों से भी साक्षात्कार हो सकेगा, जिनसे जीवन को सुदृढ़ किया जा सकता है। देखकर जानने, जान कर अनुभव करने और अनुभव से स्वयं पर उसके उपयोग कर पाने के रास्ते भी खुलेंगे। सफर लंबा हो सकता है, लेकिन चमत्कारी प्रभाव और मनुष्य जीवन की सार्थकता सिद्ध करने वाला होगा। इन प्रयोगों से होने वाले सफल प्रभाव, परिपूर्णता (फुलफिलमेंट) का अहसास कराने वाले होंगे। जो हमारे व्यक्तित्व में गुणात्मक संवर्धन करेंगे। लेकिन इसके लिये हमारे जीवन व्यवहार की उन बाधाओं की अनदेखी करें, जो हमारी एकाग्रता भंग करती हैं। ध्यानाकर्षण की गैर-जरूरी चीजों और गैरवाजिब विषयों से स्वयं को हटाए बिना यह संभव नहीं होगा। बहुत बड़े संकल्प के साथ प्राथमिकता तय करने से ही उन मंजिलों तक पहुंच पाएंगे, जिनके लिए मानव जीवन मिला है। सही मायनों में जीवन के वास्तविक उद्देश्यों को समझने की गंभीर पहल करते ही नहीं हैं। यदि हम ऐसा करते हैं तो निरोग को उपलब्ध होकर सुखी जीवन की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

गणपति बप्पा मोरया...

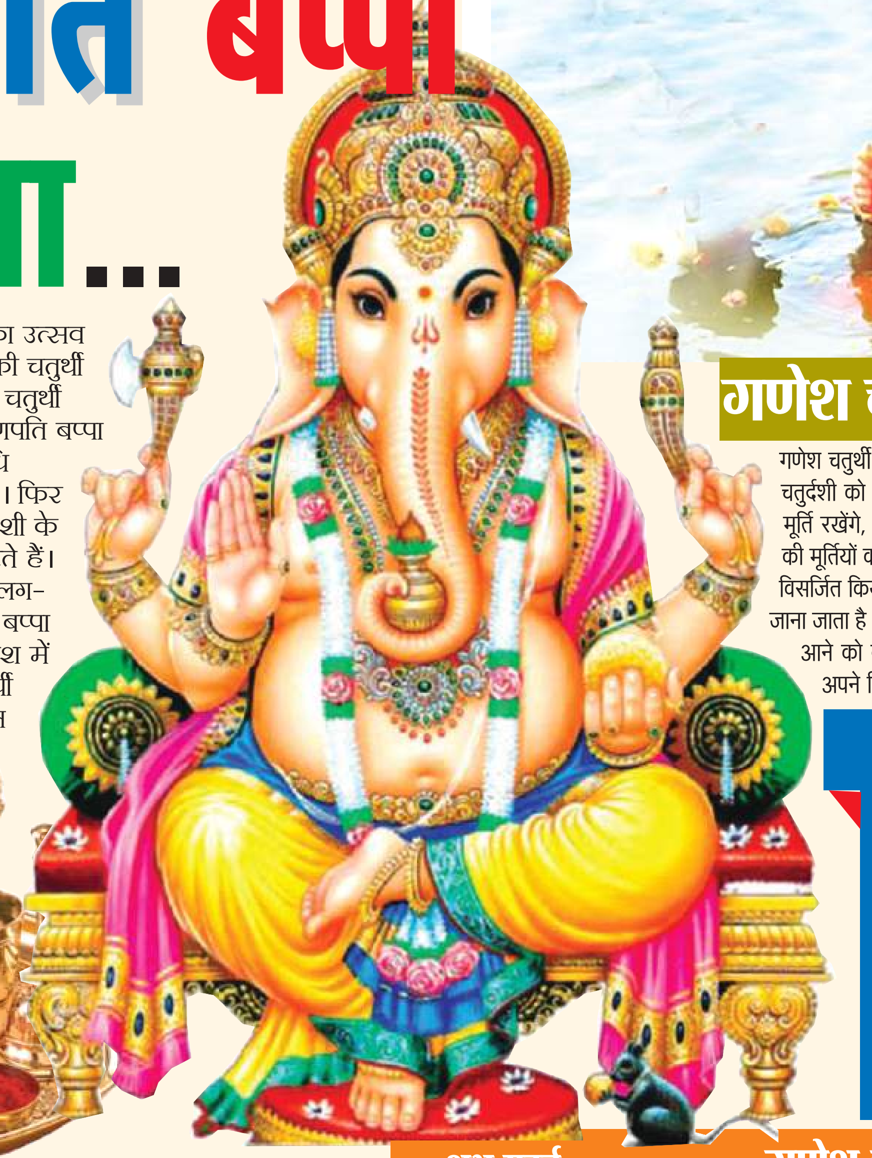

गणेश चतुर्थी का 10 दिनों का उत्सव भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से प्रारंभ होता है। गणेश चतुर्थी के दिन लोग अपने घरों में गणपति बप्पा को लेकर आते हैं, उनकी विधि विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। फिर उसके 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी का विसर्जन करते हैं। हालांकि गणेश विसर्जन के भी अलग-अलग नियम हैं, जिसके तहत सभी लोग 10 दिनों तक गणपति बप्पा को नहीं रखते हैं। गणेश चतुर्थी का उत्सव महाराष्ट्र समेत पूरे देश में मनाया जाता है, लेकिन मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी का उत्सव लगातार 10 दिनों तक चलता है। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के विशेष अवसर पर आप गणपति जी की पूजा-अर्चना द्वारा उनकी कृपा के पात्र बन सकते हैं।

गणेश चतुर्थी का समापन

गणेश चतुर्थी का समापन 28 अगस्त दिन गुरुवार को अनंत चतुर्दशी को होगा। जो लोग 10 दिनों के लिए गणेश जी की मूर्ति रखेंगे, वे अनंत चतुर्दशी यानी 6 सितंबर को गणेश जी की मूर्तियों को नदियों, झीलों और समुद्र जैसे जल निकायों में विसर्जित किया जाता है। इस अनुष्ठान को विसर्जन के नाम से जाना जाता है। गणेश जी को विदा करेंगे और अगले साल फिर आने को कहेंगे। यह भगवान गणेश की कैलाश पर्वत पर अपने निवास स्थान पर वापसी का प्रतीक है।

शुभ योग

गणेश चतुर्थी पर दुर्लभ शुभ और शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। शुभ योग का संयोग दोपहर तक है। वहीं, शुक्ल योग का समापन 28 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 18 मिनट पर होगा। इसके बाद सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। वहीं, गणेश चतुर्थी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 06 बजकर 04 मिनट पर होगा। भद्रावास योग का समापन दोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर होगा।

महत्व

गणेश चतुर्थी विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता भगवान गणेश के जन्म का उत्सव है। उन्हें नई शुरुआत और समृद्धि के देवता के रूप में भी पूजा जाता है। भक्त अपने प्रयासों में सफलता और अपने जीवन से बाधाओं को दूर करने के लिए भगवान गणेश से प्रार्थना करते हैं। इस दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं। गणेश जी की कृपा से मनोकामनाएं पूरी होंगी और बिगड़े हुए काम बनेंगे। आपके जीवन के संकट दूर होंगे और शुभता आएगी।

इस तरह करें पूजा

सर्वप्रथम गणेश चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी भगवान गणेश को प्रणाम करें और तीन बार आचमन करें। स्नान आदि से निवृत होने के बाद मंदिर की अच्छे से साफ-सफाई कर लें। इसके बाद गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें और उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं। पूजा के दौरान गणेश जी को वस्त्र, जनेऊ, चंदन, दूर्वा, अक्षत, धूप, दीप, पीले पुष्प और फल आदि अर्पित करें। भगवान गणेश की पूजा के दौरान उन्हें 21 दूर्वा जरूर चढ़ाएं। ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दूर्वा अर्पित करते समय श्री गणेशाय नमः दूर्वांकुरान् समर्पयामि मंत्र का जाप करें। पूजा के अंत में समस्त सदस्यों के साथ मिलकर गणेश जी की आरती करें और प्रसाद बांटें।

शुभ मुहूर्त

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 26 अगस्त 2025 को दोपहर 01 बजकर 54 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 27 अगस्त को दोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर चतुर्थी तिथि का समापन होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसलिए 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी।

गणेश चतुर्थी का इतिहास

गणेश चतुर्थी का इतिहास 17वीं शताब्दी से मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस त्यौहार की शुरुआत मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज ने की थी। उन्होंने इस त्योहार का उपयोग अपने लोगों को एकजुट करने और हिंदू संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया। गणेश चतुर्थी दस दिवसीय त्यौहार है जो पूरे भारत में बहुत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह विशेष रूप से महाराष्ट्र में लोकप्रिय है, जहां इसे सार्वजनिक अवकाश के रूप में मनाया जाता है। त्योहार के दौरान, भक्त अपने घरों, मंदिरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करते हैं।

हंसना मना है

पप्पू ने एक लड़की को प्रपोज किया, तो लड़की ने पप्पू को खूब पीटा। चप्पल से पीटा, लाठी से पीटा, और बहुत घसीट - घसीट के पीटा। पप्पू उठा और कपड़े झाड़ते हुए बोला, तो फिर मैं इंकार समझूं।

किसी बारात में दुल्हन को घूंघट में देख पप्पू शादी कराने वाले पंडित से बोला- लो यहां भी दुल्हन घूंघट में है। पप्पू की बात सुन पंडित मुस्कुरा उठे...पप्पू-पंडित जी, दुल्हन घूंघट में काहे है। पंडित जी बोले-बेटा, तुम्हारी तो हो नहीं रही है... तुम्हारे जैसे कितने पप्पू हैं। उनकी भी नहीं हो रही है... अगर दुल्हन घूंघट में न रहें, तो तुम्हारे जैसे कितने पप्पू एक साथ बोल पड़ेंगे-आइला, ये तो मेरी वाली है।

एक आदमी बिना टिकट के ट्रेन से जा रहा था। टी टी- कहां जाना है। आदमी- जहां राम जी का जन्म हुआ था। टी टी- टिकट दिखाओ? आदमी- टिकट नही है? टी टी- तो फिर चलो! आदमी- कहां? टी टी- जहां कृष्ण जी का जन्म हुआ था।

एग्जाम शुरू होते ही बच्चे ने पेपर पर सुसु कर दिया, यह देख मैडम बोली- तुमने पेपर पर सुसु क्यों कर दिया। बच्चा बोला-मां ने कहा था... एग्जाम में पेपर मिलने के बाद जो पहले आए वही करना। इसके लिए पहले सुसु किया।

कहानी | कद्दू का तीर्थ स्नान

हमारे यहां तीर्थ यात्रा का बहुत ही महत्व है। पहले के समय यात्रा में जाना बहुत कठिन था। पैदल या तो बैल गाड़ी में यात्रा की जाती थी। थोड़े थोड़े अंतर पे रुकना होता था। विविध प्रकार के लोगो से मिलना होता था, समाज का दर्शन होता था। विविध बोली और विविध रीति-रीवाज से परिचय होता था। कई कठिनाईयों से गुजरना पड़ता, कई अनुभव भी प्राप्त होते थे। एकबार तीर्थ यात्रा पे जाने वाले लोगों का संघ, संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थ यात्रियों को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा- मैं तो आप लोगों के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां-जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया। मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगों ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रियों को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियों को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूप से बनवायी गयी थी। सभी यात्रियों ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है! यह सुन सभी यात्रियों को बोध हो गया कि, हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय बनी रहेगी।

तुला

सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृषभ

मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक

चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मिथुन

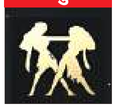

पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

धनु

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

कर्क

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

मकर

यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

सिंह

दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कुम्भ

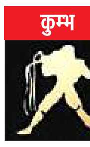

ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

कन्या

यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

मीन

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

बॉलीवुड मन की बात

अब मैं सिर्फ वही फिल्में करता हूं जो मुझे प्रेरित करती हैं : मिथुन

मिथुन चक्रवर्ती की उन सितारों में गिनती होती है, जो बॉलीवुड पार्टियों और सेरेमनी से दूर रहना पसंद करते हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने परिवार, पौधों और पालतू जानवरों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। मिथुन चक्रवर्ती बोले, 'मैं शुरुआत से पार्टियों में नहीं जाता, मैं फिल्म अवार्ड फंक्शन्स में नहीं जाता। पार्टियों में क्या होता है? गॉसिप और मैं गॉसिप नहीं करता, न ही मैं शराब पीता हूं। मैंने शराब छोड़ दी है। इसलिए, मैं अब पार्टियों में फिट नहीं बैठता। मुझे अपने परिवार के साथ, अपने पौधों के साथ, अपने चार पैरों वाले बच्चों के साथ रहना पसंद है। मुझे खाना बनाना पसंद है। इसलिए, मैं इस सब में आनंद लेता हूं।' एक्टर ने आगे खुलासा किया कि एक समय में उनके पास 65 फिल्में थीं। जब मिथुन चक्रवर्ती से पूछा गया कि 80 और 90 के दशक में वह सालाना कितनी फिल्में कर रहे थे, तो मिथुन ने चौंकाने वाला जवाब दिया, 'आपको जानकर हैरानी होगी कि हमारे पास एक समय में 65 फिल्में थीं। मेरे पास एक साल में 19 फिल्में रिलीज होने का लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड है, तो आप काम के बोझ की कल्पना कर सकते हैं। मेरे पास 380 फिल्मों का अनुभव है। मिथुन से जब पूछा गया कि ऐसे समय में जब ज्यादातर एक्टर सालाना कम फिल्में करते हैं, आपको इतने सारे फिल्मों पर काम करने के लिए क्या चीज प्रेरित करती है तो एक्टर ने जवाब दिया, 'मुझे नहीं पता लोग सिर्फ एक फिल्म कैसे करते हैं, वे कहते है कि वे पढ़ते हैं, लेकिन उसके बाद क्या, कितनी बार आप स्क्रिप्ट पढ़ सकते हैं। आप एक लाइन में पूरी फिल्म को समझ सकते हैं। हमने एक लाइन पढ़ने के बाद ही तय किया कि हम फिल्म करना चाहते हैं या नहीं।' मिथुन चक्रवर्ती ने आगे कहा, 'अब मैं सिर्फ वही फिल्में करता हूं जो मुझे प्रेरित करती हैं। जैसे मैं प्रभास के साथ 'फौजी' कर रहा हूं। यह एक देशभक्ति से लबरेज फैमिली ड्रामा है। 'जेलर 2' रजनीकांत के साथ एक अलग तरह की फिल्म है। 'प्रजापति 2 एक और फिल्म है। मेरे लिए यह सब आसान है।'

12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी दिव्या खोखला की फिल्म 'एक चतुर नार'

दिव्या खोसला इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक चतुर नार' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वो नील नितिन मुकेश के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने रविवार को फिल्म का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया और साथ ही ट्रेलर रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया। इसके बाद से फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। पोस्टर में दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश आमने-सामने खड़े नजर आ रहे हैं। जहां नील, दिव्या के सिर पर पिस्तौल ताने हुए दिखाई देते हैं, वहीं दिव्या के हाथ में मोबाइल फोन है, जिसकी स्क्रीन पर रुपये का बड़ा चिन्ह दिखता है। इससे साफ है कि फिल्म की कहानी पैसे, लालच, चालाकी और धोखाधड़ी जैसे ट्विस्ट से भरी होगी।

पोस्टर पर लिखी टैगलाइन होशियारी शुरू फिल्म के थीम को और दिलचस्प बना देती है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म कॉमेडी और थ्रिलर का मिक्स होगी, जिसमें दिमागी गेम्स, धोखे और अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिलेंगे। पोस्टर का बैकग्राउंड लाल-नारंगी रंगों में डिजाइन किया गया है, जो सस्पेंस और ड्रामा का एहसास कराता है। वहीं एक कोने में 500 रुपये के नोट की झलक भी फिल्म की थीम को पैसे और चालबाजी से जोड़ती है। दिव्या खोसला ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कल, हर नजर रुकेगी और रुकेगी सिर्फ चतुर पे! 'एक चतुर नार' ट्रेलर का प्रीमियर कल होगा। होशियारी शुरू 12 सितंबर से सिनेमाघरों में।' फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है, जो 'ओह माय गॉड' जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। वहीं फिल्म के निर्माता आशीष वाघ और जीशान अहमद हैं। ट्रेलर का प्रीमियर 25 अगस्त को सुबह 11 बजे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर होगा। फैंस अब बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं, जो इस साल की सबसे दिलचस्प कॉमेडी-थ्रिलर साबित हो सकती है।

बॉलीवुड मसाला

अपनी 100वीं मूवी करते ही होंगे रिटायर डायरेक्टर प्रियदर्शन

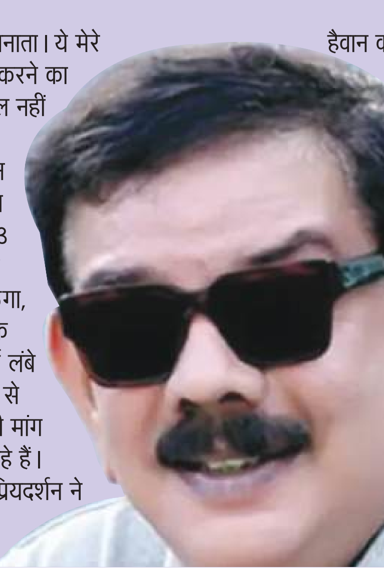

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की फिल्म हेरा फेरी-3 को दिग्गज डायरेक्टर प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रियदर्शन अक्षय कुमार की फिल्म हैवान भी बना रहे हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान भी लीड रोल में नजर आएंगे। इस बीच प्रियदर्शन ने अपने रिटायरमेंट प्लान से पर्दा उठा दिया है। डायरेक्टर ने खुलासा किया है कि वो अपनी 100वीं फिल्म के साथ रिटायर हाने का सोच रहे हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने पहले हेरा फेरी 3 को लेकर बात की। उन्होंने कहा- मैं आमतौर पर अपनी ओरिजिनल फिल्मों के सीक्वल नहीं बनाता। ये मेरे काम करने का स्टाइल नहीं है। लेकिन मैं हेरा फेरी 3 जरूर बनाऊंगा, क्योंकि मेकर्स लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं। प्रियदर्शन ने आगे हैवान को लेकर भी अपनी राय दी जो कि उनकी 2016 की मलयालम हिट फिल्म ओप्पम से इंस्पायर्ड है। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान लीड रोल में नडर आएंगे। वहीं श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी हैवान का हिस्सा हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार विलेन अवतार में नजर आ सकते हैं। साथ ही हैवान में ओप्पम के लीड एक्टर मोहनलाल का कैमियो भी हो सकता है। मोहनलाल को लेकर प्रियदर्शन ने कहा-उनका किरदार दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा।

प्रियदर्शन ने हाल ही में अक्षय कुमार की हॉरर फिल्म भूत बंग्ला की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में परेश रावल और वामिका गब्बी भी हैं। इसके बाद अब वो हेराफेरी 3 और हैवान को डायरेक्ट कर रहे हैं। हैवान प्रियदर्शन के करियर की 99वीं फिल्म है और अब 100वीं फिल्म के साथ डायरेक्टर रिटायर होने की प्लानिंग कर रहे हैं।

अजब-गजब फ्लोराइडयुक्त पानी बना यहां के लोगों के लिए काल

इस गांव में मर्द, औरत और बच्चे सभी हैं बौने!

गयाजी। गयाजी जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर जंगल और पहाड़ों से घिरा हुआ एक ऐसा गांव जहां के लोगों को आज फरिश्तों का इंतजार है। लोगों को उम्मीद की किरण नजर नहीं आ रही कि उनकी जिंदगी को सामान्य कैसे बनाया जा सकें। जिले के बांकेबाजार प्रखंड मुख्यालय से करीब 9 किलोमीटर दूर तिलैया पंचायत के उत्तर में हड़ही नदी के किनारे बसा भोक्तौरी नामक दलितों का एक ऐसा गांव मिलता है, जहां के लोग दिव्यांगता का शिकार हो रहे हैं।

गांव के लोग किसी अजनबी चेहरे को देख आश्चर्यचकित हो उठते हैं। सभी महसूस करने लगते हैं कि कोई तारणहार तो न आया। यहां के आधे से अधिक बच्चों की आबादी अंग विकृति से प्रभावित है। कहा जाए तो बौनापन का शिकार हो रहे हैं। उनका बालपन दिव्यांग हो गया है। जानकार बताते हैं कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने की वजह से लोगों का पैर टेढ़ा और कुबड़ा हो रहा है। जन्म के 4 से 5 साल के बाद लोग बौनापन का शिकार हो रहे हैं। भोक्तौरी में बीमारी से त्रस्त ग्रामीणों का कहना है कि इनके बच्चे चार साल के उम्र पार करते ही प्रायः कुबड़ा टेढ़ा हो जाते हैं। यहां पीने का पानी है श्राप बन चुका है। बच्चों के पैरों की हड्डियों में ऐसी विकृति होती है, जैसे कई स्थानों पर हड्डी को तोड़ा और जोड़ा गया हो या ऐंठा गया हो। ये बच्चे लंगड़ाकर चलते हैं। हिलकर चलते हैं या फिर डंटे के सहारे चलते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि 90 के दशक में यहां के लोग गांव के पास से गुजरने वाली हड़ही नदी का पानी पीते थे तो उनके पैरों की हालत ठीक थी। किंतु जब से गांव में चापाकल लगाया गया और उसके पानी लोग पीना शुरू किए तब से यह बीमारी लोगों को देखने को मिली। इस गांव में करीब तीन-चार पुस्त के लोग बसे चले आ रहे हैं।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों से यहां पर इसमें कमी आई है। अब नए जन्म लेने वाले बच्चे इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं। गांव के लोगों ने बताया कि बीच-बीच में हम लोग बांकेबाजार अस्पताल जाते हैं और दवाई मिलती है तो उससे थोड़ी राहत मिलती है। लेकिन गांव में फ्लोराइड पानी की समस्या से निजात के लिए कोई काम नहीं किया गया है। 25 घर वाले इस गांव में 30 से अधिक लोग बौनापन और अंग विकृति से प्रभावित हैं। सभी का पैर टेढ़ा और कुबड़ा हो गया है। इसमें सभी की स्थिति बिल्कुल एक जैसी है। इनके अलावा कई और अन्य बच्चे भी दिव्यांगता के शिकार हैं।

दिव्यांगता से प्रभावित लोगों में भोक्तौरी की सीता देवी (60), महादेव भोक्ता (45), सरदार सिंह भोक्ता (35), अशोक कुमार (22), सोहराय भोक्ता (70), करमी देवी (50), जहिंद्र भोक्ता (40), प्रमोद सिंह भोक्ता (26), चिंता देवी (45), योगेंद्र सिंह (35), बिगु सिंह भोक्ता (42), सुखदेव सिंह भोक्ता (60), संतोष कुमार (26), सतिया देवी (60), मानती देवी (55), चमारी सिंह भोक्ता (55), धनंजय कुमार (24), राजेश कुमार (18), सावित्री देवी (25), अरुण कुमार (11), जितेंद्र कुमार (25), पिंटू कुमार (17), प्रवीण कुमार (16), सुनीता कुमारी (17), ललिता कुमारी (23), मीना कुमारी (28), जसिया देवी (53) ये सभी की स्थिति एक जैसी है।

पानी में पिछले 5 साल से तैर रहा है ये दुनिया का पहला न्यूक्लियर पॉवर प्लांट

ऊर्जा दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत है। ऊर्जा स्रोत ही बताते हैं कि किसी देश की क्या हैसियत है और ऊर्जा स्रोत ही उसकी आबादी और बर्बादी की वजह बनते हैं। वैसे तो आजकल ग्रीन एनर्जी यानी हरित ऊर्जा पर जोर है। परमाणु ऊर्जा भी एक बेहतरीन विकल्प रहा है, भले इससे बनने वाला नाभकीय कचरा समस्या कारक होता है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाना और उसे काबू करते हुए चलाना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में यह पॉवर प्लांट पानी तैरता हुआ हो तो? जी हां, दुनिया का पहला फ्लोटिंग न्यूक्लियर पावर प्लांट, अकादेमिक लोमोनोसोव, ठीक से काम कर रहा है और अपने पाँच साल के सफर को पूरा कर चुका है। रूस का यह पॉवर प्लांट बहुत ही अनोखा है और इसे बनाने वाली कंपनी का दावा है कि यह इतना शक्तिशाली है कि दुनिया के हर व्यक्ति के लिए कॉफी बना सकता है। इसे 23 अगस्त, 2019 को लॉन्च किया गया था, या सही कहें तो फिर से लॉन्च किया गया था। उस समय इसके खिलाफ कई तरह की आवाजें उठी थीं। इसे शुरु में बहुत डर और आलोचना का सामना करना पड़ा था। पर्यावरणीय समूहों, जैसे कि ग्रीनपीस, ने इसे आइस ऑन चेरनोबिल और न्यूक्लियर टाइटैनिक कहा था। अकादेमिक लोमोनोसोव के मुख्य इंजीनियरों में से एक, व्लादिमीर इरमिन्कु, ने 2019 में लॉन्च से पहले की आशंकाओं के बारे में बात की। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की तुलना पहले कॉस्मोनॉट्स के अंतरिक्ष में जाने से की। उन्होंने कहा, यह और 'आइस पर चेरनोबिल' पूरी तरह से अलग हैं हम पूरी तरह से अलग सिस्टम की बात कर रहे हैं। नई तकनीक के प्रति हमेशा संदेह होना चाहिए। लेकिन वे इसे जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहे हैं। यदि वे कहते हैं कि रिएक्टर के साथ दुर्घटना की संभावना है, तो उन्हें सबूत पेश करना होगा। अकादेमिक लोमोनोसोव 2019 में लॉन्च हुआ, लेकिन अगले साल ही वाणिज्यिक रूप से सक्रिय हुआ। अब तक, किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट नहीं आई है। पिछले साल प्लांट के इतिहास में पहला फ्यूल अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ। आर्कटिक स्थितियों में, यह एक चुनौती भरा रहा जिससे कंपनी ने सफलतापूर्वक निपटा। वर्ल्ड न्यूक्लियर न्यूज के अनुसार, कंपनी फ्लोटिंग पावर मार्केट में विस्तार की योजनाएँ बना रही है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कंपनी पहले से ही चार फ्लोटिंग पावर यूनिट्स का निर्माण कर रही है। इन प्लांट्स की क्षमता कम से कम 100 मेगावाट है, और इनका सेवा जीवन 60 साल तक हो सकता है।

भाई को ताकत देने पहुंची बहन प्रियंका

वोटर अधिकार यात्रा से वायनाड की सांसद भी जुड़ीं

» गरमाई बिहार की सियासत भाजपा घबराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुपौल। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान उनके साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता भी मौजूद रहे। सभी नेताओं को एक एसयूवी की छत पर बैठकर भीड़ का अभिवादन करते देखा गया। सोमवार को विराम के बाद मंगलवार को यात्रा दोबारा शुरू हुई।

इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को अररिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही गठबंधन का साझा घोषणापत्र जारी किया जाएगा। राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) दरअसल भाजपा को फायदा पहुंचाने और वोट चुराने की संस्थागत कोशिश है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी के विरोध में चलाई जा रही है।

16 दिनों की लंबी यात्रा

वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी और 1 सितंबर को पटना में एक बड़ी रैली के साथ समाप्त होगी। इस दौरान यात्रा 1,300 किमी की दूरी तय कर बिहार के कई जिलों से गुज़रेगी। अब तक यह यात्रा गया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, कटिहार और पूर्णिया जिलों से गुजर चुकी है। आगे यह मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पश्चिम चंपारण, सारण, भोजपुर और पटना जिलों से होकर गुज़रेगी। उधर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बिहार में उनकी कोई इज़्ज़त नहीं है, और आगे कहा कि कांग्रेस तो बस राजद की एक और अनुयायी है।

एसआईआर भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए : राहुल

सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा : मुकेश सहनी

आगामी बिहार चुनावों से पहले, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक मुकेश सहनी ने मंगलवार को कहा कि कोई भी एक पार्टी सरकार नहीं बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य के मुख्यमंत्री का फैसला नहीं करेंगे और सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा। सहनी ने बताया कि हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे। कोई भी एक पार्टी सरकार नहीं बनाएगी... सरकार सभी गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से बनेगी... राहुल गांधी यह तय नहीं करेंगे कि तेजस्वी मुख्यमंत्री होंगे या नहीं... सब कुछ गठबंधन के मंच से तय होगा।सहनी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने संसदीय चुनावों में धोखाधड़ी की थी और अगर ऐसा हुआ होता तो वे सरकार बना लेते। उन्होंने आगे कहा कि हमें वोट इसलिए मिल रहे हैं क्योंकि लोगों को हम पर भरोसा है। उन्हें हम पर ज़्यादा भरोसा था, भाजपा पर नहीं। हालाँकि लोगों को हम पर भरोसा है, फिर भी उन्होंने (भाजपा ने) वोट चोरी की। अगर उन्होंने वोट चोरी न की होती, तो हम सरकार बना सकते थे, उन्होंने कहा था कि वे 400 सीटें जीतेंगे, लेकिन उन्हें सिर्फ़ 240 सीटें मिलीं।

पीएम सोते-जागते लेते हैं राहुल का नाम: रंजीत रंजन

राज्यसभा सांसद और कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव रंजीत रंजन ने कहा कि वोट के अधिकार से ही लोकतंत्र मजबूत होता है, लेकिन जिस तरह वोट की चोरी कर लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है, उसके खिलाफ जनता को जागरूक करने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान के हनन और लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ आंदोलन कर रही है। महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में हुई गड़बड़ियों को भी सामने लाया गया है, लेकिन चुनाव आयोग मनमानी कर रहा है। जदयू विधायक द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के जवाब में रंजीत रंजन ने कहा कि जदयू नेताओं को पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस खेमे में हैं। उनके नेता जिस तरह पलटते रहते हैं, उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत है। प्रधानमंत्री भी हर बार अपने भाषण की शुरुआत और अंत राहुल गांधी के नाम से करते हैं। सत्ता में 11 साल रहने के बाद भी अगर पीएम सोते-जागते राहुल का नाम लेते हैं तो यह उनकी मजबूती का सबूत है। भागलपुर में वोटर लिस्ट में पाकिस्तानी नागरिकों के नाम पाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी फर्जी और विदेशी वोटरों को हटाने के पक्ष में है। सभी पाकिस्तानी और बांग्लादेशियों को बाहर किया जाए। लेकिन यह सब भाजपा का प्रोपोगेंडा है। राहुल जी ने यह भी दिखाया है कि कैसे एक ही पते पर कई वोटर दर्ज हैं। 18 साल से ऊपर हर वयस्क का नाम वोटर लिस्ट में होना चाहिए, लेकिन केवल भाजपा समर्थक न होने पर किसी का नाम हटाना लोकतंत्र विरोधी है।

यूपी टी20 : काशी रुद्रास ने लगाया जीत का छक्का

» तेज गेंदबाजों की मदद से गोरखपुर लायंस को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपेंद्र यादव की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत काशी रुद्रास ने यूपी टी-20 लीग मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। इससे पहले अटल बिहारी राय और शिवम मावी ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत गौर गोरखपुर लायंस को बड़ा स्कोर करने से रोक दिया। पहले आठ विकेट खोकर गोरखपुर लायंस ने 132 रन बनाए। इसके जवाब में काशी रुद्रास ने 16 ओवर में चार विकेट खोकर 135 रन बनाए और जीत दर्ज की। शुभम ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में काशी रुद्रास ने टॉस जीत कर गौर गोरखपुर लायंस को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। लायंस की शुरुआत खराब रही। मैच की पहली गेंद पर सलामी बल्लेबाज अंचित यादव बिना खाता खोले आउट हो गए। सुनील की गेंद पर सक्षम राय ने उनका कैच पकड़ा। इसके बाद 36 रन के योग पर आधी टीम पवेलियन पहुंच गई। अल्मास शौकत (12), कप्तान अक्शदीप नाथ (5), प्रिंस यादव (0), सिद्धार्थ यादव (13) और भास्कर भारद्वाज (19) सस्ते में सिमट गए। निशांत ने 35 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की सहायता से 42 रनों की आतिशी पारी खेली और लड़खड़ा चुकी टीम को संभाला। हरदीप ने 15 गेंदों में 26 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों की उपयोगी पारियों की बदौलत गोरखपुर ने 132 रन बनाए। वहीं कानपुर सुपर स्टार्स ने अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को हुए रोमांचक मुकाबले में उन्होंने मेरठ मावरिक्स को 14 रन से हरा दिया। डकवर्थ-लुईस नियम का आधार बना।

काशी की ओर से अटल और शिवम ने गेंदबाजी में भरपाया कहर

काशी की ओर से अटल बिहारी राय ने तीन और शिवम मावी ने दो विकेट लिए। जवाब में काशी के सलामी बल्लेबाज दीपक राणा और कप्तान करन शर्मा ने टीम को तेज शुरुआत दी। पहले विकेट के लिए दोनों के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई। टीम को पहला झटका दीपक राणा के रूप में लगा। उन्होंने 25 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के की सहायता से 34 रन बनाए। तीरथ सिंह की गेंद पर दीपक बोल्ड हो गए। कप्तान करन शर्मा 17 रन बनाकर आउट हुए। उपेंद्र यादव ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से 42 रनों की पारी खेली और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उनके साथ बल्लेबाजी कर रहे शुभम चौधरी ने चार चौके लगाए और 26 गेंदों में 28 रन बनाए।

भगवंत मान ने की स्टालिन की तारीफ

» तमिलनाडु पहुंचे पंजाब के मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोक-हित से जुड़े इन क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इन प्राथमिक क्षेत्रों को भारत की राजनीति के केंद्र में लाने का श्रेय आम आदमी पार्टी को जाता है, जिन्हें पहले नजरअंदाज किया जाता था। भगवंत सिंह मान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा लोगों की भलाई के लिए शुरू की गई विभिन्न पहलों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए बहुत सम्मान और संतोष की बात है कि उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के विस्तार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार देशभर में लागू की जा रही महत्वपूर्ण लोक-कल्याणकारी पहलों से सीखने और उन्हें अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु और पंजाब के बीच एक मजबूत रिश्ता है और दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और इतिहास है। इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए केंद्र सरकार पर राज्य प्रशासन के लिए परेशानी पैदा करने और धन का उचित हिस्सा आवंटित करने से इनकार करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु की राजनीति सामाजिक न्याय की राजनीति है और अन्य भारतीय राज्यों की तुलना में, तमिलनाडु कई क्षेत्रों में सबसे आगे है। कलाइवनार आरंगम में संघ-राज्य संबंधों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे तमिलनाडु में संघ-राज्य संबंधों पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है।

विविधता में एकता ही भारत की नींव

मुख्यमंत्री ने कहा कि विविधता में एकता ही भारत की नींव है, जहां सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और आपसी मेल-जोल की भावनाएं गहराई से समाई हुई हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विभिन्न रंग-बिरंगे फूलों का गुलदस्ता सुंदर दिखाई देता है और सबका ध्यान आकर्षित करता है, उसी प्रकार विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और एकता से भरा देश, एकता और ताकत का प्रतीक होता है।

राहुल की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई टाली

» 15 दिन बाद होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दाखिल उस याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए अदालत में चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी है। दरअसल, 2018 में चाईबासा में हुई एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक बयान देने पर प्रताप कुमार नामक व्यक्ति ने मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

अब इस मामले की सुनवाई न्यायालय में पंद्रह दिन बाद होगी। याचिका में आरोप था कि राहुल के बयान मानहानिकारक थे और जानबूझकर शाह की छवि धूमिल करने के लिए दिए गए थे। इससे पहले 6 अगस्त को गांधी को चाईबासा की एमपी-एमएलए अदालत ने जमानत दी थी।

इंसानियत शर्मसार, किसान को नायब तहसीलदार ने जड़ा थप्पड़

» योगी सरकार में बढ रहीं थप्पड़ बाज अधिकारियों की संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। बता दें नगर निगम लखनऊ जोन-4 की टीम को मिर्जापुर निवासी किसान राममिलन से बंजर जमीन खाली कराने पहुंची। जमीन पर किसान का तीन पीढ़ियों से कब्जा बताया जा रहा है।

किसान के पास नवाबों के समय के कागज़ात भी होने की बात सामने आई है। टीम में नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव, लेखपाल सुभाष कौशल, सीएल चौकी प्रभारी हिमांशु तिवारी, सिपाही आनंद कुमार यादव समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान किसान राममिलन ने अधिकारियों से बरसात के चलते अपने जानवरों का भूसा हटाने के लिए एक घंटे का समय मांगा। इसी बीच नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव को गुस्सा आ गया और उन्होंने किसान को थप्पड़ मार दिया।

किसान के कान से खून बहा

थप्पड़ लगते ही किसान के कान से खून निकलने लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ा। आनन-फानन में उसे गोसाईगंज सीएचसी से सिविल अस्पताल और वहां से पीजीआई के अपेक्स ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया।

गाड़ी चेक करने के नाम पर सिपाही ने युवक को जमकर पीटा

राजधानी लखनऊ में मंगलवार को सिपाही की दबंगई सामने आई है। गाड़ी चेक करने के नाम पर रोका। कागज पूरे होने के बाद भी उससे दो हजार रुपये की मांग की। युवक ने देने से मना किया तो सिपाही ने उसे जमकर पीटा। इससे उसे चोटें आई है। मामला बख्शी का तालाब क्षेत्र के अस्ती क्रासिंग का है। पीड़ित रोहित ने बताया कि सिपाही जबरन उससे पैसे मांग रहा था। विरोध पर उसने उसे पीटा। इस पर क्षेत्रीय व्यापारी भी पीड़ित के समर्थन में उतर आए। पीड़ित ने 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। साथ ही बीकेटी थाने में आरोपी सिपाही के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है।

किसानों में आक्रोश

कल अवैध कब्जा हटाने के दौरान किसान को थप्पड़ मारने वाले नगर निगम के नायब तहसीलदार पर मुकदमा दर्ज कराये जाने की मांग को लेकर सुशान्त गोल्फ सिटी थाने पर भाकियू ने किया प्रदर्शन।

सपा का इंडिया गठबंधन उम्मीदवार बी. सुदर्शन को समर्थन

» सपा प्रमुख ने सभी दलों से सपोर्ट करने की अपील की

» उपराष्ट्रपति चुनाव : लखनऊ पहुंचे प्रत्याशी

» मुझे सभी दलों से समर्थन मिल रहा है : रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मुझे सभी दलों से समर्थन मिल रहा है। समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों ने हमारा समर्थन किया है। हमारी कोशिश होगी कि उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों के ज्यादातर सांसद हमारे साथ हों। बी. सुदर्शन रेड्डी मंगलवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ प्रेसवार्ता को भी संबोधित किया। सपा मुखिया ने पहुंचे रेड्डी का स्वागत अखिलेश ने खुद किया। एक प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का बहुत-बहुत स्वागत बहुत-बहुत आभार प्रकट करना चाहता हूं मैं। उनके परिचय के बारे में हम सब जानते हैं और आज जिन राजनीतिक परिस्थितियों में उपराष्ट्रपति का चुनाव होने जा रहा है और हम लोग जिस न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं उसके लिए एक न्यायमूर्ति से अच्छा विकल्प और क्या हो सकता है? लगातार संविधान को लेकर के कानून को लेकर के, न्याय को लेकर के, हक को लेकर के विचारधारा को लेकर के लगातार इंडिया गठबंधन हम सबके प्रत्याशी इस न्याय की लड़ाई में इनसे बेहतर विकल्प और क्या हो सकता है?

लोकतंत्र की स्थिति देश में कमजोर : सुदर्शन रेड्डी

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि देश में लोकतंत्र की स्थिति कमजोर हो गई है और संविधान को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह संविधान की रक्षा और उसे मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि उनका नाम कैसे सामने आया। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्दों को लेकर चल रही बहस पर भी राय रखी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से नक्सलवाद समर्थक कहे जाने पर भी जवाब दिया।

भाजपा के लोग एक विशेष विचारधारा से जुड़े लोगों को ही बड़े पद पर बैठा रहे हैं : अखिलेश यादव

इसके पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज भाजपा के लोग एक विशेष विचारधारा से जुड़े लोगों को ही बड़े पद पर बैठा रहे हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे समावेशी विचारधारा को अपनाएं और इसीलिए इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने अन्य दलों से अपील की है कि सभी अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट करें और बी. सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करें।

शिवपाल व अजय राय भी की मुलाकात

लखनऊ पहुंचकर उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की यूपी इकाई के अध्यक्ष अजय राय, जसवंतनगर से विधायक और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव समेत अन्य से मुलाकात की।

लखनऊ एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी मंगलवार सुबह लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ। उन्हें रिसीव करने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। एयरपोर्ट से वह सीधे कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में फटा बादल, तीन लोगों की मौत

» 10 से अधिक घर क्षतिग्रस्त, कई लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई जिससे 10 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें तीन लोगों के मरने की खबर है। उधर इसकी वजह से वैष्णव देवी यात्रा रोक दी गई है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा है हालात अभी गंभीर हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई जब मौसम विभाग ने कठुआ, सांबा, डोडा, जम्मू, रामबन और किश्तवाड़ सहित जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी थी।

अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। खराब मौसम के मद्देनजर जम्मू संभाग में सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहे। तवी नदी उफान पर है। कई नदियों और नालों में जलस्तर पहले ही खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, अधिकारियों ने कहा कि रात तक जलस्तर में और उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जम्मू क्षेत्र में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है और लोगों को जल निकायों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है।÷ कश्मीर के दक्षिणी ज़िलों में मध्यम से भारी बारिश हुई, जबकि ऊँचाई वाले इलाकों में भारी बारिश हुई। हालाँकि झेलम नदी के लिए बाढ़ की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई, लेकिन जलस्तर बढ़ने की आशंका है। मध्य कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि उत्तरी कश्मीर में हल्की बारिश या शुष्क मौसम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में कठुआ जिले में 155.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद डोडा के भद्रवाह में 99.8 मिमी, जम्मू में 81.5 मिमी और कटरा में 68.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने कम से कम 27 अगस्त तक ऊंचाई वाले इलाकों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई है।

पांच आईपीएस अफसरों के तबादले

» बशाल बने पुलिस महानिदेशक महासमादेष्टा होमगार्ड लखनऊ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को पांच आईपीएस अफसरों की तैनाती में फेरबदल किया गया है। आईपीएस एमके बशाल को पुलिस महानिदेशक/महासमादेष्टा, होमगार्ड लखनऊ के पद पर तैनाती दी गई है। वह अभी तक यूपी पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड में पुलिस महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे।

जय नरायन सिंह को यूपी पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर नियुक्ति दी गई है। वह अभी तक सीतापुर में अपर पुलिस महानिदेशक, पीटीसी के पद पर कार्यरत थे। प्रशांत कुमार अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, उत्तर प्रदेश के साथ-साथ अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई

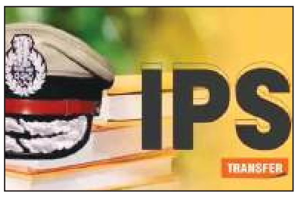

है। वह अभी तक अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन के पद पर कार्यरत थे।इसी तरह उपेंद्र कुमार अग्रवाल को पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना के पद पर नियुक्ति दी गई है। वह अभी तक पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी के पद पर तैनात थे। सतेंद्र कुमार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीएसी, अनुभाग आगरा के पद पर नियुक्त किए गए हैं। वह अभी तक पुलिस उपमहानिरीक्षक के रूप में प्रतीक्षारत थे।

मैं जन्म से कांग्रेसी हूं, मरते दम तक कांग्रेसी ही रहूंगा : डीके शिवकुमार

» कर्नाटके के डिप्टी सीएम ने आरएसएस गान पर मांगी मांफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि यदि विधानसभा में आरएसएस का गान सुनाने संबंधी उनकी टिप्पणी से कांग्रेस नेताओं या विपक्ष के इंडिया ब्लॉक सहयोगियों को ठेस पहुंची है तो वह माफी मांगने को तैयार हैं। डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधने के लिए मज़ाक में की गई थी, लेकिन कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

शिवकुमार ने कहा कि उनका किसी की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था और अगर उनकी टिप्पणी से उनके सहयोगियों को ठेस पहुँची है तो वे खेद व्यक्त करते हैं। डीके

शिवकुमार ने अपने बयान में कहा कि मैंने बस टिप्पणी की और उनकी (भाजपा) टांग खींचने की कोशिश की। मेरे कुछ दोस्त राजनीतिक छलांग लगा रहे हैं, इसका दुरुपयोग करके जनता में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं... मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता। अगर किसी को ठेस पहुँची है, तो मुझे उनके लिए दुख है। मैं उन सभी से माफ़ी माँगना चाहता हूँ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि गांधी परिवार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूँ। मैं कांग्रेसी ही मरूँगा... मेरे बहुत सारे अनुयायी और दोस्त हैं, पार्टी लाइन से हटकर, अलग-अलग राजनीतिक दलों में, मैं किसी को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता।

कई लोगों ने उठाए थे सवाल

हरिप्रसाद ने सवाल किया कि ‘‘आजाद भारत में तीन बार जिस संगठन पर प्रतिबंध’लगा उस आरएसएस से जुड़े गीत को गाकर शिवकुमार किसे खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।’’ कर्नाटक के विधान पार्षद (एमएलसी) हरिप्रसाद ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, ‘‘अगर वह उपमुख्यमंत्री के तौर पर आरएसएस की प्रार्थना को गाते हैं तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी, क्योंकि सरकार किसी पार्टी की नहीं, बल्कि कर्नाटक के सात करोड़ लोगों की है जिनमें आरएसएस, जमात-ए-इस्लामी और कई अन्य हैं। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर उन्हें यह प्रार्थना नहीं गानी चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।